अरुण की कलम से

अरुण भारद्वाज

BlueRose ONE.com
Stories Matter
NewDelhi • London

BLUEROSE PUBLISHERS
India | U.K.

Copyright © Arun Bhardwaj 2025

All rights reserved by author. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior permission of the author. Although every precaution has been taken to verify the accuracy of the information contained herein, the publisher assumes no responsibility for any errors or omissions. No liability is assumed for damages that may result from the use of information contained within.

BlueRose Publishers takes no responsibility for any damages, losses, or liabilities that may arise from the use or misuse of the information, products, or services provided in this publication.

For permissions requests or inquiries regarding this publication,
please contact:

BLUEROSE PUBLISHERS
www.BlueRoseONE.com
info@bluerosepublishers.com
+91 8882 898 898
+4407342408967

ISBN: 978-93-7139-506-9

Cover Design: Aman Sharma
Typesetting: Manisha Rawat

First Edition: December 2025

विषय-सूची

अरुण की कलम से **1**

दो शब्द, मेरी लेखनी पर 2

अभिस्वीकृति 4

मेरे गीत **5**

ख़ाक बनती है हस्ती हमारी 6

मुझे याद आ रहा है 8

वफाओं का ज़ालिम सिला क्या दिया 10

पुरानी चोट उल्फत की 12

जो अपने थे रूठ गये 14

घर ग़ैर का वो बसाने चले हैं 15

छुपाए रखना मेरी मुहब्बत 17

सपने तो सपने हैं 18

दूर तुझसे मैं रह के 20

ग़म की बस्ती बसी है 22

दर्दे ग़म जो अगर 24

लिखने वाले ने क्या लिख दी 26

बन के नग़मा ये दिल मेरा 28

सभी ग़म साथ जायेंगे 29

इश्क़ पे बन्दिशें 31

सनम ने कहा है 33

परिवार **35**

माँ की ममता 36

मेरा जन्मदिन - माँ के जाने के बाद 39

मात पिता को जो ठुकराए 41

एक बूढ़े पिता का अहसास 43

अंश मेरा मुझे जान से प्यारा 45

ध्रुव तारा 47

मेरा कबीर 49

निर्गुण भजन **52**

जब होगी तैयारी 53

कोई पार नहीं है 55

जन्म जन्म मेरा नाता है 57

कहाँ तेरी मंज़िल 59

तेरी रहमत का सिलसिला 61

कर ले वन्दन 63

इतना तो प्रभु मेरे करना 65

सबका स्वामी अन्तर्यामी 67

बस इतनी दरकार 69

कब आये पैगाम 71

अब काहे रोए 74

इसमें वो हारा मिला 76

गणपति भजन **77**

शिव की आँखों का तारा 78

मेरे गणपति बाबा 80

लाल गणेश है प्यारा 82

हे शिव नंदन करूँ तेरा वंदन 84

शिव भजन **86**

मैं दास तुम्हारा हूँ 87

शिव मैं आया तेरे द्वार 89

बबम बबम बम बम लहरी 91

पल पल मेरी ज़ुबाँ पर 93

मेरा डमरू वाला शिव शंकर 95

माता के भजन **97**

मुझे याद तुम्ही माँ कर लेना 98

मईया तेरा बुलावा ना आया 100

सहारा जो मिला होता 102

आ जाओ अब तो 104

माँ खुशियों की बहार दो 106

अर्ज़ बेटी तेरी माँ करे 108

पा ले तू माँ की रहमत 110
मईया तेरी नगरी में 112
आये नैनों में जल भर के 114
कृष्णा भजन **116**
कृष्णा दीवाना तेरा जहाँ है 117
श्याम राधा के श्याम 118
साईं भजन **119**
पापी हूँ बहुत साईं नाथ मेरे 120
बदलेगी ज़िन्दगी ये 122
तेरे जलवे हैं निराले 124
अब तो दरस दिखाओ 126
खुशियों की डगर होगी 128
साईं देके चरण रज तुम 130
भजन मन गा रे 132
राम भजन **134**
ले ले सहारा राम का 135

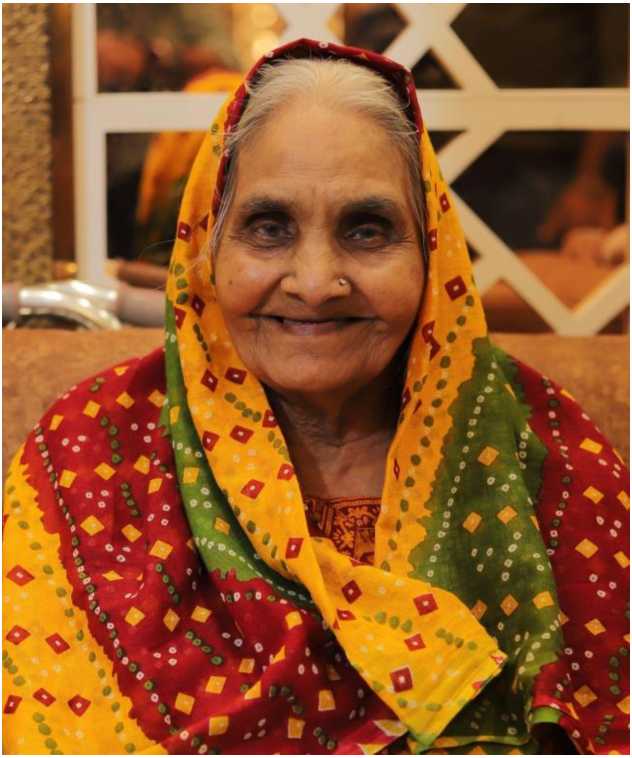

हमारी प्रेरणा, हमारी शक्ति, हमारी अम्मा

(स्व० श्रीमती दयावती जी)

अरुण की कलम से

दो शब्द, मेरी लेखनी पर

मेरा जन्म नाईवाला, दिल्ली करोलबाग में एक देशभक्त, ब्राह्मण परिवार में हुआ जिसकी तीन पीढ़ियाँ अँग्रेज़ सरकार की जेलों में रहीं।

मेरे पूर्वज, उस समय की चौहानपुरी, आज की दिल्ली के निवासी – पृथ्वीराज चौहान द्वारा उन्हें लालकिला जमना से लेकर आज के खूनी दरवाज़ा तक की जागीर दी गई थी। जब अँग्रेज़ों का राज आया, परदादा क्रान्तिकारी हो गए और करोलबाग आकर बसे। उस दौरान जागीर के सभी कागज़ात पीछे रिहाईश पर रह गए। देशभक्ति का प्रभाव मेरे दादा, पण्डित श्री शत्रुघ्न शर्मा जी व मेरे पिता पण्डित श्री हरिदत्त शर्मा जी पर भी पड़ा, जिस कारण मेरे परदादा, मेरे दादा, मेरे पिता अँग्रेज़ सरकार की जेलों में रहे।

मेरे दादा, पण्डित श्री शत्रुघ्न शर्मा जी, की सामाजिक तस्वीर ऐसी थी, उन्हें करोलबाग के गाँधी के रूप में जाना जाता था। उस समय के नेता, श्री राधारमण जी और मेरे दादा जी के प्रयासों से इंडिया गेट के एक रोड को मेरे परदादा का नाम, विक्रम सिंह रोड, दिया गया।

मेरे पिता भी एक अच्छे राइटर थे। ये शौक मुझे विरासत में मिला। मैंने अपनी पहली ग़ज़ल 15 वर्ष की उम्र में लिखी, जिसका प्रकाशन सांध्य टाइम्स, विद्रोही में हुआ, जो सभी ने पसंद की।

हालात के मद्दे नज़र मैं काफी समय लेखनी से दूर रहा, फिर एक वक़्त ऐसा भी आया जब मेरी लेखनी की सोई चेतना जाग उठी और मैं बन गया खिलौना हालात का। मेरे शब्दों में –

मैं शायर हूँ तेरे ख्यालात का
इक रूप हूँ अपने जज़्बात का
दिल पे इक चोट लगी
और सोई शायरी जाग उठी
और बन गया मैं
खिलौना हालात का

शायर की शायरी कहीं ना कहीं उसके जीवन का आईना होती है। जज़्बात की रौ में बह कर, जब अपने दिल के दर्द में खुद को डुबोता है, वो जो दर्द उसके दिल में होता है, अल्फाज़ बन के कागज़ पर उतरता है।

हमारा जीवन तीन हिस्सों में, तीन दौर में बँटा है।

पहला दौर है जो मेरे रोमैंटिक गीतों में झलकता है। बचपन में माता-पिता का प्रेम, अपनों का प्रेम और किशोरावस्था में दूसरों के प्रति आकर्षण, एक सपनों की दुनिया में खोये रहना - ये है प्रथम दौर।

दूसरा दौर - ये वो दौर है जिसमें हम सपनों की दुनिया से बाहर आकर हकीकत का अहसास करते हैं, ज़िम्मेदारी आती है, गृहस्थ में प्रवेश करते हैं। जब आवश्यकताएँ सामने आती हैं तब प्रभु से माँगते हैं, कामना करते हैं और प्रभु के प्रति प्रेम आस्था जागृत होती है। तब हम भक्ति भाव में जीते हैं, जो मेरे भक्ति गीतों में झलकता है।

तीसरा दौर - हमारे जीवन का वो दौर, जब जीवन के कटु अनुभव मिलते हैं। छल से भरी मतलबी दुनिया को समझ पाते हैं तो हम विरक्ति की तरफ अग्रसर होते हैं, जो मेरे निर्गुण भजनों में झलकता है।

मेरी इस लेखनी में तीनों दौर की मनोस्थिति पर प्रेम रस - भक्ति रस - विरक्ति रस का समावेश है जो आपके हाथों में है।

आपका अरुण भारद्वाज
(करोलबाग, शास्त्री पार्क वाले)
मोबाइल नं 9266-365-961

अभिस्वीकृति

मेरा परिचय मेरी पत्नी, **शकुन्तला देवी**, के परिचय के बिना अधूरा रहेगा।

उसके परिश्रम और सहयोग के बिना शायद मैं जीवन में जिन सफलताओं तक पहुँच पाया हूँ, छू भी नहीं पाता। आज मुझे अपने बच्चों में भी उसके संस्कार और समझदारी नज़र आते हैं। मेरे लेखन में मेरे परिवार का, मेरी पत्नी का भरपूर सहयोग मिला, ये मेरी खुशकिस्मती है। मुझे गर्व है अपनी जीवन संगिनी और बच्चों पर। इसी के साथ मैं अपने शब्दों को विराम देता हूँ।

मेरे गीत

ख़ाक बनती है हस्ती हमारी

ख़ाक बनती है हस्ती हमारी
ख़ाक बनती है हस्ती हमारी
कोई दिलबर को जाके बता दे
क्या मिला है तुझे मेरे दिलबर
क्या मिला है तुझे मेरे दिलबर
ग़म के शोलों में मुझको जलाके

मुस्कुराना मेरा ग़म में ढाला
ग़म के शोलों से दिल फूँक डाला
बन गया है वो ही मेरा कातिल
जो ज़माने में था सबसे प्यारा
दर्द होता मेरे आंसूओं का
इतना मुझको ना तुम यूँ रुलाते
ख़ाक बनती है हस्ती हमारी
कोई दिलबर को जाके बता दे

क्या खता थी मेरी ये बताते
इस तरह ना मुझे भूल जाते
यूँ भटकती मेरी ज़िन्दगी को
ग़म की ठोकर ना तुम यूँ लगाते
ख़ाक बनती है हस्ती हमारी
कोई दिलबर को जाके बता दे

नफरतों का तेरी सिलसिला है
हर सितम तेरा हँस के सहा है
आंसूओं में कलम को डूबा कर
ग़म दीवाने अरुण ने लिखा है
प्यार होता ना जो तुझसे दिलबर
दिल की दुनिया नई हम बसाते
ख़ाक बनती है हस्ती हमारी
कोई दिलबर को जाके बता दे

मुझे याद आ रहा है

मुझे याद आ रहा है
गुज़रा वही ज़माना
हँस हँस के तेरा मिलना
वो तेरा रूठ जाना
मुझे याद आ रहा है
गुज़रा वही ज़माना

कभी मेरे तुम कभी थे
अब ग़ैर हो गए हो
सौगात आँसुओं की
देकर मुझे गए हो
बेवफा ना फिर भी
मेरे दिल ने तुझको माना
मुझे याद आ रहा है
गुज़रा वही ज़माना

तेरा मीत मैं कभी था
अब ग़ैर हो गया हूँ
तुझसे बिछड़ के जानम
शायर मैं इक बना हूँ
तुझपे ही लिख रहा हूँ
शायर तेरा दीवाना
मुझे याद आ रहा है
गुज़रा वही ज़माना

दर्दे जिगर ये मेरा
कैसे बयाँ करूँ मैं
कागज़ के हर सफे पर
ज़िक्रा तेरा करूँ मैं
तूने मुझको दे दिया है
नज़राना आँसुओं का
मुझे याद आ रहा है
गुज़रा वही ज़माना

वफाओं का ज़ालिम सिला क्या दिया

वफाओं का ज़ालिम
सिला क्या दिया
वफाओं का ज़ालिम
सिला क्या दिया
मेरी वफाओं को
रुसवा किया

तेरे ग़म से पागल
मैं हो गया
तूने बसाई दुनिया नई
मैं हर ख़ुशी से जुदा हो गया
वफाओं का ज़ालिम
सिला क्या दिया

पराये से बन के
गुज़र जाते हो
हालत पे मेरी
मुस्कुराते हो
कहर मेरे दिल पे
बरपाते हो
क्या चाहा था तुझसे
क्या तूने दिया
वफाओं का ज़ालिम
सिला क्या दिया

भूल गए तुम
गुज़रा ज़माना
हँसना तेरा वो
तेरा रूठ जाना
चुपके से आके
आँखों पे मेरी
हाथों को रखना
तेरा मुस्कुराना
गुज़री कहानी
अब हो गए
अश्कों से भरते
नैन मेरे
तेरे ग़म से पागल
हम हो गए
क्या चाहा था मैंने
क्या मुझको मिला
वफाओं का ज़ालिम
सिला क्या दिया

पुरानी चोट उल्फत की

पुरानी चोट उल्फत की
हमें फिर याद आई है
रुलाने फिर मेरे दिल को
सनम की याद आई है
रुलाने फिर मेरे दिल को
सनम की याद आई है
पुरानी चोट उल्फत की
हमें फिर याद आई है

कभी हँस हँस के सीने से
हमारे जी को लगते थे
मेरे अश्कों के छीटों से
कभी जो खुद तड़पते थे
उसी ज़ालिम सनम ने आज
ये ठोकर लगाई है
पुरानी चोट उल्फत की
हमें फिर याद आई है

तेरा हो ग़म सलामत
उम्र ग़म की हो बड़ी लम्बी
जलें हम उम्र भर इस में
पड़े ना आग ये ठंडी
बड़ी मुश्किल से उल्फत की
निशानी ग़म ये पाई है

पुरानी चोट उल्फत की
हमें फिर याद आई है

तेरे सीने से लग के हम
जहां के ग़म भुलाते थे
तेरी आँखों में उल्फत के
सितारे झिलमिलाते थे
उन्ही आँखों ने उल्फत की
रस्म हर इक भुलाई है
पुरानी चोट उल्फत की
हमें फिर याद आई है

जो अपने थे रूठ गये

जो अपने थे रूठ गये
प्यार के रिश्ते टूट गये
ग़म से रिश्ते जोड़ लिये
प्यार के नग़मे भूल गये
प्यार के रिश्ते टूट गये
जो अपने थे रूठ गये

हाँ अब हमसे वो ग़ैर हुए
ग़ैर से रिश्ता जोड़ लिये
ग़म से पागल हम हुए
वो खुशियों में झूम रहे
प्यार के रिश्ते टूट गये
जो अपने थे रूठ गये

हर सपना वो टूट गया
जो कल था वो बीत गया
जो प्यारा वो मीत गया
आँख से आंसू बह गये
कुछ छलके कुछ रह गये
प्यार के रिश्ते टूट गये
जो अपने थे रूठ गये

घर ग़ैर का वो बसाने चले हैं

बर्बाद करके
खुशियाँ मेरी वो
घर ग़ैर का वो
बसाने चले हैं
छलका है आँखों से
ग़म का समन्दर
वो हाथों में मेहंदी
लगाने चले हैं
घर ग़ैर का वो
बसाने चले हैं

पागल दीवाना मैं
रोने लगा हूँ
ग़म से मैं पागल
होने लगा हूँ
फूलों सी नाज़ुक
जो लग रही थी
पत्थर की मूरत
वो बन गई है
हस्ती को मेरी
मिटाने चले हैं
घर ग़ैर का वो
बसाने चले हैं

वफाओं का मेरी

ये अन्जाम होगा
जो दिल का सपना था
दग़ा वो ही देगा
अल्फ़ाज़ मेरे
मेरे ग़म के छाले
छलकने लगे हैं
आँसू हमारे
आँसूओं पे मेरे वो
हँसने लगे हैं
घर ग़ैर का वो
बसाने चले हैं

छुपाए रखना मेरी मुहब्बत

छुपाए रखना मेरी मुहब्बत
ना जीने देंगे ये दुनिया वाले
समझ सकेंगे ना इस वफा को
समझ सकेंगे ना इस वफा को
हैं दिल के काले, ये दुनिया वाले

तेरा ये ग़म है तेरी निशानी
ना लाना आँखों में फिर से पानी
बहे जो आँसू ये तुम्हारे
खोल देंगे ये भेद सारे
छुपाए रखना मेरी मुहब्बत
ना जीने देंगे ये दुनिया वाले

तेरा था हमको बड़ा सहारा
मिला था हमदर्द तुझसा प्यारा
ना जी सकेंगे, ना मर सकेंगे
जियेंगे कैसे बिन तुम्हारे
छुपाए रखना मेरी मुहब्बत
ना जीने देंगे ये दुनिया वाले

सपने तो सपने हैं

सपने तो सपने हैं
ये सच कब हुए हैं
सपने तो सपने हैं
ये सच कब हुए हैं
वफा करने वालों को
ग़म ही मिले हैं
सपने तो सपने हैं
ये सच कब हुए हैं

हवाओं में लहराता
आता था आँचल
जिसके लिए दिल मेरा
रहता था पागल
वही आज मुझसे
जुदा हो गए हैं
सपने तो सपने हैं
ये सच कब हुए हैं

जब याद आता है
गुज़रा ज़माना
मेरे दिल के जज़्बों को
उसका जगाना
होठों में मीठी
हँसी को दबा कर

इक झलक दिखाना
तेरा दौड़ जाना
गुज़री कहानी
अब हो गए हैं
सपने तो सपने हैं
ये सच कब हुए हैं

अब तो तेरी यादों का
बस सिलसिला है
ख्यालों में तेरे
अरुण लुट चुका है
आंसुओं से भीगी
मेरी ये कहानी
मुहब्बत में तेरी
हम लुट चुके हैं
सपने तो सपने हैं
ये सच कब हुए हैं

दूर तुझसे मैं रह के

दूर तुझसे मैं रह के
बता क्या करूँ
क्या करूँ
तुझे याद करूँ
और जाम पिऊँ
दूर तुझसे मैं रह के
बता क्या करूँ
क्या करूँ

लड़खड़ाने लगे हैं
कदम अब मेरे
ठोकरें खाता
मैं तो लुढ़कता फिरूँ
दूर तुझसे मैं रह के
बता क्या करूँ
क्या करूँ

लोग कहने लगे हैं
शराबी मुझे
मेरा ग़म से तेरे
ये हाल हुआ
गुज़रे हर पल को
याद करूँ
और जाम पिऊँ

और जाम पिऊँ
दूर तुझसे मैं रह के
बता क्या करूँ
क्या करूँ

जब से बिछड़ा
दिलबर मुझसे
मैंने ग़म में
जाम पे जाम पिया
खुशियाँ ना मिली
जब दिल को मेरे
मैंने ग़म का दामन
थाम लिया
ना भूल सका
तुझको क्या करूँ
तुझे याद करूँ
और जाम पिऊँ
दूर तुझसे मैं रह के
बता क्या करूँ
क्या करूँ

ग़म की बस्ती बसी है

मेरे दिल में यारों
ग़म की बस्ती बसी है
मेरे दिल में यारों
ग़म की बस्ती बसी है
होठों पे यारों मेरे
झूठी हँसी है

अंधेरों को कैसे अब
मिलेंगे उजाले
हसीनों ने जाने कितने
दिल तोड़ डाले
तकदीर चाहत की
ये ही लिखी है
मेरे दिल में यारों
ग़म की बस्ती बसी है

बरबादियों का मैं
इक सिलसिला हूँ
स्याही से ग़म की लिखी
इक दास्ताँ हूँ
गुलशन हूँ उजड़ा
बुझता दिया हूँ
गुलशन हूँ उजड़ा
बुझता दिया हूँ

ख्वाहिश तो अब ना कोई
दिल में बची है
मेरे दिल में यारों
ग़म की बस्ती बसी है

बेवफा की ठोकर का
मारा हुआ हूँ
बेवफा सनम पे दिल को
हारा हुआ हूँ
ज़िन्दगी ये मेरी
इक बेबसी है
मेरे दिल में यारों
ग़म की बस्ती बसी है
होठों पे यारों मेरे
झूठी हँसी है

दर्दे ग़म जो अगर

दर्दे ग़म जो अगर
यूँ ही मिलता रहा
ग़म के मारे हुए
हम तो मर जायेंगे

जिनकी खातिर बनी
दर्दे ग़म ज़िन्दगी
जिनकी खातिर बनी
दर्दे ग़म ज़िन्दगी
हाल सुन के मेरा वो
तड़प जायेंगे
दर्दे ग़म जो अगर
यूँ ही मिलता रहा

कैसी उनसे शिकायत
क्या उनसे गिला
जब मुकद्दर ही मेरा
हुआ बेवफा
दर्द मेरे सिमट
आँसुओं में कहीं
बन के अल्फाज़ गीतों में
ढल जायेंगे
दर्दे ग़म जो अगर

यूँ ही मिलता रहा
ग़म के मारे हुए
हम तो मर जायेंगे

लिखने वाले ने क्या लिख दी

लिखने वाले ने क्या लिख दी
लिखने वाले ने क्या लिख दी
लिख दी मेरी तकदीर
आँसुओं का ले के उनसे सहारा
बना दी मेरी तस्वीर
लिखने वाले ने क्या लिख दी
लिख दी मेरी तकदीर

रंग मिला ना कोई
ग़म की ख़ाक डाली
तकदीर लिख दी मेरी
मुहब्बत से खाली
पत्थर की बन के रह गई
रांझे की हीर
लिखने वाले ने क्या लिख दी
लिख दी मेरी तकदीर

पूछो ना डूबा कैसे
किस्मत का तारा
दिल ने तड़प कर फिर भी
तुझी को पुकारा
बन के कसक इक रह गई
रांझे की हीर
लिखने वाले ने क्या लिख दी
लिख दी मेरी तकदीर

दीवाने ने क्या क्या यारों
सुनहले थे ख़ाब देखे
नसीबों के खेल देखे
ग़म के हालात देखे
दिलबर समझ ना पाया
अरुण दिल की पीर
लिखने वाले ने क्या लिख दी
लिख दी मेरी तकदीर

बन के नग़मा ये दिल मेरा

बन के नग़मा ये दिल मेरा गाने लगा
आँसुओं को ग़मों को भुलाने लगा
प्यारी लगने लगी है मुझे ज़िन्दगी
प्यार से कोई मुझको बुलाने लगा
बन के नग़मा ये दिल मेरा गाने लगा

मेरे होठों पे रहती थी झूठी हँसी
मेरे चेहरे पे लिखी थी बस बेबसी
जैसे चन्दा को फिर जो मिली चांदनी
जलते ज़ख्मों को जैसे दवा मिल गयी
ग़म हर इक ये दिल मेरा भुलाने लगा
बन के नग़मा ये दिल मेरा गाने लगा

ज़िन्दगी मेरी ग़म की ये तस्वीर थी
आँसुओं की मिली मुझको जागीर थी
पाया तुमको तो दिल मुस्कुराने लगा
बन के नग़मा ये दिल मेरा गाने लगा

मेरे काटे भी ना कटती थी ये ज़िन्दगी
ग़म के सायों में उलझी थी ये ज़िन्दगी
ज़िन्दगी में मेरी ऐसा भी दौर था
आँसुओं का मेरे कुछ भी ना मोल था
जब से तुम हो मिले है खिली ज़िन्दगी
तुमको पाया तो ग़म को भुलाने लगा
बन के नग़मा ये दिल मेरा गाने लगा

सभी ग़म साथ जायेंगे

दीवाना जब ये जायेगा
सभी ग़म साथ जायेंगे
बहेंगे जब मेरे आँसू
मेरे ग़म मुस्कुरायेंगे

मुहब्बत ग़म की दासी है
तभी इस पर उदासी है
ख़ुशी के चंद लम्हे हैं
ग़मों की उम्र बाकी है
तेरी यादों के गुलशन में
ग़मों को हम सजायेंगे
दीवाना जब ये जायेगा
सभी ग़म साथ जायेंगे

ग़मों की आग में जल कर
तेरा जीता है दीवाना
देख कर शम्मा की हालत
तेरा रोता है परवाना
बहेंगे जो तेरे आँसू
ये मुझको भी रुलायेंगे
दीवाना जब ये जायेगा
सभी ग़म साथ जायेंगे

ग़मों की आग में जल कर
फना होगा ये दीवाना
सुनो जब आह को मेरी
सनम तुम भी चले आना
मेरी जलती चिताओं पे
दो आँसू तो बहा जाना
ना आने से तेरे दिलबर
चैन मर कर ना पायेंगे
दीवाना जब ये जायेगा
सभी ग़म साथ जायेंगे

इश्क़ पे बन्दिशें

इश्क़ पे बन्दिशें
ये ज़माना करे
इश्क़ वालों को
पागल दीवाना करे
इश्क़ पे बन्दिशें
ये ज़माना करे

आतिशों से बना
इश्क़ का ये जहाँ
है ये बर्बादियों की
इक दास्ताँ
हुआ इश्क़ जिसको
वो क्या करे
इश्क़ पे बन्दिशें
ये ज़माना करे

इश्क़ में जाने
कितने ही घर जल गए
फूल खिलने से पहले
बिखर ही गए
इस ज़माने की तलवार
जब जब उठी
इश्क़ वालों के सिर को
कलम कर गई

इश्क़ पे बन्दिशें
ये ज़माना करे

इश्क़ वालों के
कितने फसाने हुए
मर गई कितनी हीरें यहाँ
दफन कितने यहाँ रान्झे हुए
जिनके चर्चे ना
कोई फसाने हुये
अरुण कब तक रहेगी
ये बन्दिशें
तड़पेंगी कब तक
इश्क़ की हसरतें
जुल्म चाहे कितना
ज़माना करे
इश्क़ वालों को
पागल दीवाना करे

इश्क़ जीता सदा
इश्क़ मरता नहीं
जतन कितने ही
सारा ज़माना करे
इश्क़ वालों को
पागल दीवाना करे
इश्क़ पे बन्दिशें
ये ज़माना करे

सनम ने कहा है

छलकने से पहले
अश्क़ों के मेरे
गले लग के मेरे
सनम ने कहा है
जुदाई का मेरी
तुम ग़म ना करना
प्यार मेरा
ग़म का सिलसिला है
मजबूरियाँ हैं
ज़माने की दिलबर
प्यार मेरा ग़म
और आँसू भरा है
छलकने से पहले
अश्क़ों के मेरे

अन्धेरे हैं ग़म के
मेरी वफ़ा में
चिराग़े मुहब्बत
बस इक जल रहा है
छलकने से पहले
अश्क़ों के मेरे
मेरे सनम ने
मुझसे कहा है

गर्दिशों का तूफाँ
दिल में उठा है
दिल ये मेरा इसने
टुकड़े किया है
छलकने से पहले
अश्क़ों के मेरे
मेरे सनम ने
मुझसे कहा है

मुहब्बत भरे
हर एक दिल का
ग़मों में तड़पता
यही सिलसिला है
गले लग के मेरे
सनम ने कहा है

परिवार

माँ की ममता

स्वार्थ के झूले पे झूले, ये सारा संसार
तुझ सा नहीं कोई, माँ दुनिया में
देखा सब संसार

रंग बदलती पल पल दुनिया
इसके रंग हज़ार
तुझ सा नहीं कोई, माँ दुनिया में
देखा सब संसार

जब जब ग़म से भर आया दिल
जब जब ग़म से भर आया दिल
माँ तूने दिया पुचकार
माँ तूने दिया पुचकार
इक इक माँ आशीष में तेरी
माँ सब तीरथ का सार
माँ सब तीरथ का सार

खाकर भी माँ आधी रोटी
माँ तो मेरी मुस्कावे
मेरे तन की भूख की ख़ातिर
माँ भूखी ही सो जावे
प्यार की तेरे होड़ नहीं माँ
माँ खुद इस की मिसाल
रंग बदलती पल पल दुनिया

इसके रंग हज़ार

सींचे माँ जीवन की बगिया
माँ दे जीवन भी वार
प्यार में मेरे खुशियाँ त्यागे
माँ ग़म का करे श्रृंगार
माँ तुझ सा कोई प्यार करे ना
झूठा ये संसार
रंग बदलती पल पल दुनिया
इसके रंग हज़ार

देख देख माँ मेरी सूरत
दुःख अपने माँ भुलाती
खुशियों की माँ देती दुआएँ
सारे देव मनाती
देव भी पूजें माँ चरणों को
माँ ममता का भंडार
तुझ सा कोई प्यार करे ना
झूठा ये संसार

माँ सी खुशियाँ दे ना सके वो
जो जग का करतार
चरणों इसके शीश नवा कर
भवसागर हो पार
बढ़कर इससे देव ना कोई
माँ देवी का अवतार
देकर हमको माँ कुदरत ने
हमपे किया उपकार
हाल क्या जानो तुम उस दिल का
जिसे मिला ना माँ का प्यार

अरुण ने देखी दुनिया सारी
झूठा हर व्यवहार
स्वार्थ के झूले पे झूले, ये सारा संसार
तुझ सा नहीं कोई, माँ दुनिया में
देखा सब संसार

मेरा जन्मदिन – माँ के जाने के बाद

सूना सूना
माँ जन्म दिन
माँ बिन तेरे
दिल आज रो रहा
रो रहा माँ बिन तेरे
जन्म दिन मेरा
ना कोई भूला तुझे
हर जन्म दिन
वरद हस्त सिर पर रहा
आज सिर पे मेरे
तेरा साया नहीं
आज रोया माँ दिल
मुस्कुराया नहीं
हर जन्म दिन
आशीष लेता रहा
तेरा आशीष पा
माँ मैं फलता रहा
कल तलक तेरा बालक
माँ मचलता रहा
ना होने पर तेरे
ये खामोश है
अश्क आँखों में हैं
जुबां खामोश है
वक़्त का कैसा

बेदर्द ये दौर है
वक़्त का कैसा
बेदर्द ये दौर है

मात पिता को जो ठुकराए

मात पिता को जो ठुकराए
चैन कहाँ वो पाएगा
पंख बिना जो उड़ना चाहे
मिट्टी में मिल जाएगा

मात पिता जब आह भरेंगे
कुदरत से वो ज़ख्म मिलेंगे
आसमान में उड़ने वाले
मिट्टी में मिल जाएगा
मात पिता को जो ठुकराए
चैन कहाँ वो पाएगा

तेरे दुश्मन तेरे बन कर
घर में आग लगाएंगे
चैन चुरा कर घर का तेरे
तुझ से फिर मुँह मोड़ेंगे
हो जाएगा जग में अकेला
साथ ना कोई निभाएगा
मात पिता को जो ठुकराए
चैन कहाँ वो पाएगा

जीवन तेरा उलझन बनकर
तुझको ही उलझाएगा
दूर तलक बस होगा अंधेरा

दर दर ठोकर खाएगा
मात पिता का प्यार तुझे फिर
याद तुझे फिर आएगा
मात पिता को जो ठुकराए
चैन कहाँ वो पाएगा

एक बूढ़े पिता का अहसास

जब वो मुझे
साथ लेकर चलते हैं
मेरे होंठ
मेरे होंठ मुस्कुराते हैं
और जब
और जब वो मुझे भूल जाते हैं
मैं हो जाता हूँ, ग़म से दीवाना
और मेरे आँसू निकल आते हैं

फिर भी
फिर भी बस एक ही दुआ, यही दुआ
ऐ मेरे खुदा
मेरे इस लगाए बगीचे को महफ़ूज़ रखना
हर बुरे साये
हर बला से दूर रखना
मेरा क्या
मेरा क्या, मैं कल रहूँ ना रहूँ
आज भी बस इक ही तमन्ना है
आज भी बस इक ही तमन्ना है
इनके दिलों में ज़िंदा रहूँ

एक पिता
अपनी खामोश ज़ुबाँ
और खामोश निगाहों से
पल पल ये दुआ करता है

अंश मेरा मुझे जान से प्यारा

अंश मेरा मुझे जान से प्यारा
तेरे बिना जीवन अंधियारा
जान मेरी है तुझमें बसती
तुझसे मेरा जीवन उजियारा
अंश मेरा मुझे जान से प्यारा

उंगली पकड़ संग साथ चले तू
मीठी मीठी बतियाँ करे तू
ग़म से भरी ये दुनिया सारी
खुशियों की बरसात करे तू
तू ही मेरा जश्ने बहारा
कुल दीपक मेरी आँख का तारा
अंश मेरा मुझे जान से प्यारा

बूढ़ा तन मन जब हो मेरा
बूढ़ा तन मन जब हो मेरा
हाथ पकड़ना प्रेम से मेरा
जीवन नईया जब जब डोले
साथ मिले बस मुझको तेरा
भँवर ये दुनिया, तू ही किनारा
अंश मेरा मुझे जान से प्यारा

मुखड़ा तेरा देखूँ हरषाऊँ
संग तेरे बालक हो जाऊँ
तू है मेरे ख़्वाबों की दुनिया
सुन्दर सुन्दर ख़्वाब सजाऊँ
नाम करे मेरे कुल का रौशन
ऐसा तुझको पाठ पढ़ाऊँ
अरुण के दिल का राज दुलारा
कुल दीपक मेरी आँख का तारा
अंश मेरा मुझे जान से प्यारा

ध्रुव तारा

मेरी ज़िन्दगी के आकाश में चमका
मेरी ज़िन्दगी के आकाश में चमका
एक ध्रुव तारा हो तुम
मेरी मझधार में फँसी कश्ती का
एक मज़बूत किनारा हो तुम

मेरी हर ऊँचाई को छू लेने की
एक सबसे बड़ी आस हो तुम
कुदरत की मुझपे बरसी
रहमत की बरसात हो तुम

गुज़रती उम्र के कमज़ोर लम्हों का
एक मज़बूत सहारा हो तुम
मेरी धुँधलाती आँखों की
एक दिलकश रौशनी हो तुम
जीवन के प्यासे मरुस्थल में
इक निर्मल शीतल झरना हो तुम

अंधेरे ग़म के सायों में
खुशियों भरा हसीन उजाला हो तुम
कल तक मैं तुम्हारी पहचान था
आज मेरी पहचान हो तुम

तुम बिन बेजान हूँ मैं
तुम बिन बेजान हूँ मैं
तुम्ही ज़िन्दगी मेरी, तुम्ही जान हो तुम

मेरा कबीर

नन्हा सा प्यारा सा राजदुलारा
मेरा कबीर
मेरी आँखों का तारा

जिस दिन कदम तेरे
घर मेरे आए
खुशियों के दीपक से
घर जगमगाए
मीठी सी प्यारी सी
वाणी तू बोले
कभी तेज बोले
कभी हौले हौले
मीठे तेरे प्यारे
बोलों को सुनकर
भूला रहूँ ग़म
दुख अपने सारे
सबसे तू न्यारा
सबसे तू प्यारा
खुशियों का मेरी
तू एक पिटारा
नन्हा सा प्यारा सा राजदुलारा
मेरा कबीर
मेरी आँखों का तारा

रहमत ये कुदरत की
जो तुझको पाया
जीवन में खुशियों का
झोंका सा आया
खिलने लगी दिल की
मुरझाई कलियाँ
देख मुझे जब
तू मुस्कुराया
दिल का सुकून
दिल को तेरा सहारा
नन्हा सा प्यारा सा राजदुलारा
मेरा कबीर
मेरी आँखों का तारा

पाया जो तुझको
बचपन लौट आया
बालक बनूँ तेरे
संग-संग मैं खेलूँ
जीवन नया जैसे
फिर मैंने पाया
सारी दुआएँ
मेरे दिल की ले ले
जीवन के पल-पल
रहें साथ तेरे
बाबा अरुण की
यही इल्तजा है
कुदरत से माँगी
यही बस दुआ है
रहे दूर तुझसे

हर इक ग़म का साया
नन्हा सा प्यारा सा राजदुलारा
मेरा कबीर
मेरी आँखों का तारा

निर्गुण भजन

जब होगी तैयारी

रूप की ना कर, रंग की ना कर
ना दौलत की यारी
रूप की ना कर, रंग की ना कर
ना दौलत की यारी
छूटेंगे ये महल दुमहले
जब होगी तैयारी

मृगतृष्णा ये जीवन की, ये दर दर है भटकाए
दुनिया के इस रंग महल में, कोई राह ना पाए
उड़ जाएगा पंछी एक दिन,
छूटेगी सब यारी
रूप की ना कर, रंग की ना कर
ना दौलत की यारी

दुखिया का तू दर्द ना जाना, तू खुद पे इतराया
सुख-दुख के इस कालचक्र से, राम भी बच ना पाया
अकड़ तेरी ये धुल मिलेगी,
जब आएगी बारी
रूप की ना कर, रंग की ना कर
ना दौलत की यारी

जीवन भर माया में खोया, जीवन सार समझ ना पाया
पापों की तेरे होड़ नहीं है, जीवन यूँ ही व्यर्थ गँवाया
अरुण की देखी भाली दुनिया,

स्वारथ की हर डाली
रूप की ना कर, रंग की ना कर
ना दौलत की यारी

कोई पार नहीं है

इस मोह माया के जाल का
कोई पार नहीं है
स्वारथ का है हर रिश्ता
ये प्यार नहीं है

जीवन है भँवर मोह का
भरमाता रहेगा
सपनों के रंग महल में
भटकाता रहेगा
समझा है जिसको जीत तू
तेरी हार यही है
इस मोह माया के जाल का
कोई पार नहीं है

ठोकर पे ठोकर खा रहा
फिर भी ना तू जाने
वक़्त की हर आहट को
बेकार ही माने
कर्मों के अपने लेख का
आधार तू ही है
इस मोह माया के जाल का
कोई पार नहीं है

मालिक की की ना वंदना
ना उसको मनाया
पापों के बैठा ढेर पे
ना पुण्य कमाया
नईया तेरी मझधार में
पतवार तू ही है
इस मोह माया के जाल का
कोई पार नहीं है

जन्म जन्म मेरा नाता है

कब तक तू सांसें देता है
कब तक ये दिल धड़काता है
तेरा लाल मैं इतना जानूँ
तेरा जन्म जन्म मेरा नाता है

कभी चलती है ग़म की आंधी
कभी दीप ख़ुशी के जलाता है
कभी देता ख़ुशियाँ झोली भर
कभी दर दर तू भटकाता है
तेरा लाल मैं इतना जानूँ
तेरा जन्म जन्म मेरा नाता है

कोई सोता फूलों के बिस्तर
कोई काँटों रात बिताता है
कर्मों के सब खेल यहाँ
खेलन वाला खिलवाता है
तेरा लाल मैं इतना जानूँ
तेरा जन्म जन्म मेरा नाता है

जीवन तो उजली चादर है
ख़ुशियों की छलकती गागर है
क्यूँ पाप की गठरी ढो मानुष
जीवन को नर्क बनाता है
तेरा लाल मैं इतना जानूँ

तेरा जन्म जन्म मेरा नाता है
कभी उंगली पकड़ तेरे साथ चले
कभी उंगली पकड़ तेरे साथ चले
कभी ठोकर दे तड़पाता है
कभी ठोकर दे तड़पाता है
तेरा लाल मैं इतना जानूँ
तेरा जन्म जन्म मेरा नाता है

डूबा है डूबन वाला
बस तार सके तारन वाला
जिस सर पर प्रभु हाथ धरे
ना मार सके मारन वाला
मानुष तन तू मोल समझ
क्यूँ व्यर्थ में इसको गँवाता है
तेरा अरुण मैं इतना जानूँ
तेरा जन्म जन्म मेरा नाता है

कहाँ तेरी मंज़िल

भटकते ऐ बन्दे, कहाँ तेरी मंज़िल
भटकते ऐ बन्दे, कहाँ तेरी मंज़िल
कदम हर कदम पे, खड़ी एक मुश्किल

बन्दे ख़ुदा के, करम तू किए जा
ले नाम मालिक, धरम तू किए जा
मझधार नईया
मझधार नईया, दूर है साहिल
भटकते ऐ बन्दे, कहाँ तेरी मंज़िल

इन्सान रुपी सरप मिलेंगे
स्वारथ में अपने, तुझको डसेंगे
मालिक शरण ले
मालिक शरण ले, वो है रहम दिल
भटकते ऐ बन्दे, कहाँ तेरी मंज़िल

ठोकर पे ठोकर देगा ज़माना
आँसू भी अपने हँस कर छुपाना
हमदर्द बन के
हमदर्द बन के, मिलेंगे संगदिल
भटकते ऐ बन्दे, कहाँ तेरी मंज़िल

दर्दे ग़म का सारा, जहाँ है फसाना
दर्दे दिल किसी का, कोई ना जाना
अरुण भी है घायल
अरुण भी है घायल, मिले कितने संगदिल
भटकते ऐ बन्दे, कहाँ तेरी मंज़िल

तेरी रहमत का सिलसिला

तेरी रहमत का जो हो
यूँ ही सिलसिला
दीप श्रद्धा के, दर पे
लगाता रहूँ
यूँ ही करता रहूँ मैं, तेरी वंदना
फूल श्रद्धा से, चरणों चढ़ाता रहूँ
तेरी रहमत का जो हो
यूँ ही सिलसिला

दाता चरणों की तेरे, मैं बस धूल हूँ
तेरी रहमत से दाता, बना नूर हूँ
तेरे चरणों में दाता, है दिल की लगन
नग़में तेरी इबादत के गाता रहूँ

तेरा दीदार जब से, मुझे हो गया
उजड़ा जीवन ये मेरा, चमन हो गया
मेरे दाता मैं हर पल, दीवाना तेरा
मेरे होठों पे दाता, तराना तेरा
बन मैं जोगी तेरे गीत गाता रहूँ
दीप श्रद्धा के दर पे लगाता रहूँ

तुझसे लागी लगन, मिट गए रंजोग़म
तुझसे लागी लगन, मिट गए रंजोग़म
बन्दगी में तेरी इस कदर खो गए

खुद को भूले रहे, तुझमें हम खो गए
तहे दिल से करूँ मैं, तेरी वंदना
दीप श्रद्धा के यूँ ही लगाता रहूँ

कर ले वन्दन

प्यारे प्रभु का कर ले वन्दन
प्यारे प्रभु का कर ले वन्दन
सँवरे जीवन, निखरे तन मन
प्यारे प्रभु का कर ले वन्दन

माया प्रभु की कोई ना जाने
कब लगे ये कृपा बरसाने
जो ध्यावे नित ध्यान प्रभु का
चहकता हँसता बीते जीवन
प्रभु चरणन का कर ले वन्दन
सँवरे जीवन, निखरे तन मन

दुख दर्दों की दुनिया मारी
दर्द भरी, हर पलक है भारी
भटका है माया में तन मन
झूठी माया झूठे बन्धन
प्यारे प्रभु का कर ले वन्दन
सँवरे जीवन, निखरे तन मन

चैन ना मन को, चैन ना तन को
ग़म के नाग, डसें जीवन को
झूठी माया ने भरमाया
तड़पाया और खूब रुलाया
दुख में कोई साथ नहीं है

सुख के साथी रिश्ते-बन्धन
अरुण कहे ये कैसा जीवन
प्यारे प्रभु का कर ले वन्दन

इतना तो प्रभु मेरे करना

इतना तो प्रभु मेरे करना
इतना तो प्रभु मेरे करना
जब प्राण मेरे तन से निकलें
सिर हाथ मेरे अपना रखना
इतना तो प्रभु मेरे करना

बस नाम जुबाँ पे हो तेरा
बस नाम जुबाँ पे हो तेरा
प्रभु हाथ पकड़ लेना मेरा
इतना तो प्रभु मेरे करना
जब प्राण मेरे तन से निकलें

दाता तेरी शरण को मैं पाऊँ
धूली तेरी चरण में समाऊँ
रुकती धड़कन में तेरी सदा हो
प्यारा तेरा भजन चल रहा हो
देखूँ प्यारी मैं तेरी छवि को
जब प्राण मेरे तन से निकलें
इतना तो प्रभु मेरे करना
जब प्राण मेरे तन से निकलें

हाथ तेरा मेरे हाथ में हो
मेरा दाता मेरे साथ में हो
जीते जी जो रहा तुझसे नाता

मेरे मरने पे ना भूल जाना मुझको विधाता
हर कदम पर मेरे साथ चलना
जब प्राण मेरे तन से निकलें
इतना तो प्रभु मेरे करना

सबका स्वामी अन्तर्यामी

सबका स्वामी अन्तर्यामी
सगरे जगत का, एक ही स्वामी

नाम तेरा जब जिसने पुकारा
नाम तेरा जब जिसने पुकारा
भवसागर से तूने तारा
नाम तेरे की ऐसी महिमा
तर गए कितने लोभी कामी
सबका स्वामी अन्तर्यामी

मन की पीड़ा, तन की पीड़ा
अँखियाँ बहाएँ झर-झर नीरा
दर दर भटके, जीवन के हर सुख को तरसे
वक़्त की महिमा सबसे न्यारी
राजा हो या कोई भिखारी
वक़्त की हर कोई करे ग़ुलामी
ये दुनिया की रीत पुरानी
लीला प्रभु की ना जाए बखानी
सबका स्वामी अन्तर्यामी

शरण प्रभु की अब भी आजा
क्यूँ दर दर की ठोकर खाता
अमृत रस है प्रभु के चरणों
पास तेरे फिर भी तू प्यासा

शरण में आजा प्यास बुझा जा
मिट जाए तेरी करुण कहानी
सबका स्वामी अन्तर्यामी

बस इतनी दरकार

दिल की लगन से तेरा दास बनके
चरणों तेरे गीत गाता
दीवानगी ये, तेरी लगन ये
इस हद तक मुझको ले जाती
भूल हर इक ग़म, दिल की कली मुस्कुराती
जीवन ये मेरा तुझको समर्पण
चरणों में तेरे खुश है मेरा मन
चरणों की धूली जब जब मैं पाता
चरणों की धूली जब जब मैं पाता
दिल की कली खिलती जाती

गुलशन से जो फूल का नाता
अपना ऐसा प्यार
जन्म जन्म हो साथ ये तेरा
बस इतनी दरकार
कितना पावन कितना सुन्दर
तेरा मेरा प्यार
गुलशन से जो फूल का नाता
अपना ऐसा प्यार

दिल की ये धड़कन, धड़कन की सरगम
पल पल तेरे गीत गाता
तेरी रहमतों से, तेरी बन्दगी से
खुशियाँ जहां की मैं पाता

तेरे नूर से ही अंधेरे सफ़र में
रौशनी ज़िन्दगी मेरी पाती
साथ तेरा ही सबसे प्यारा
मालिक मुझे तेरा प्यार
जन्म जन्म हो साथ ये तेरा
बस इतनी दरकार

उंगली पकड़ मेरे साथ चले तू
फिर भी नज़र ना आये
मुश्किल के कितने दौर हैं आये
आकर के तू ही बचाये
तेरी ये रहमत, हर इक ज़ुबाँ पर
दुखड़े सभी के मिटाये
तेरा अरुण भी तेरी शरण में
गुल से हुआ गुलज़ार
पावन कितना, कितना सुन्दर
तेरा मेरा प्यार
जन्म जन्म हो साथ ये तेरा
बस इतनी दरकार

कब आये पैगाम

इस जीवन की चलते चलते
हो जायेगी शाम
प्रभु संग दिल की लौ को लगा ले
जाने कब आये पैगाम

मेला दुनिया दो दिन का ये
यूँ ही वक़्त गुज़रता जाएगा
गया वक़्त ये तेरे हाथों
गया वक़्त ये तेरे हाथों
यूँ ही फिसलता जाएगा
जग झूठा है, झूठा सपना
कोई ना अपना, कोई ना अपना
ये बात अभी तू जान
ये बात अभी तू जान
इस जीवन की चलते चलते
हो जायेगी शाम
प्रभु संग दिल की लौ को लगा ले
जाने कब आये पैगाम

झूठी सारी झूठी माया
झूठी तेरी फूल सी काया
ना समझा जो इस माया को
इस माया को, उस दाता को
वो सबसे बड़ा नादान

जाने की कब हो तैयारी, कौन सका है जान
प्रभु संग दिल की लौ को लगा ले
जाने कब आये पैगाम

सपनों की इस, इस नगरी में
ख़्वाबों सा महल बनाया
देखा जब जब, जब अँखियों से
तू खुद पर इतराया
मन तेरा हो गया अभिमानी
मन तेरा हो गया अभिमानी
भूला प्रभु का ध्यान
तू भूला प्रभु का ध्यान
जाने की कब है तैयारी
ये कौन सका है जान
इस जीवन की चलते चलते
हो जायेगी शाम
प्रभु संग दिल की लौ को लगा ले
जाने कब आये पैगाम

जब तेरी ये विदाई होगी
सारी दुनिया पराई होगी
करम ही तेरे साथ चलेंगे
करम ही तेरे साथ चलेंगे
दौलत फिर ना सहायी होगी
नाम प्रभु का लेते रहना
प्रभु शरण में हर पल रहना
अरुण ने जीवन सार ये जाना
देता ये पैगाम, देता ये पैगाम
प्रभु चरण जब धाम में पहुँचे
तब मिलता आराम

तब मिलता आराम
प्रभु संग दिल की लौ को लगा ले
जाने कब आये पैगाम

अब काहे रोए

खा ठोकरें तू
अब काहे रोए
साथी सुख की दुनिया सारी
ग़म के सफर में साथी ना कोए
खा ठोकरें तू
अब काहे रोए

दुनिया तेरी ये स्वारथ माया
सबको है इसने भरमाया
लूटे पल पल चैन सभी का
हर दिल को इसने तड़पाया
साथ चलेंगे करम ही तेरे
साथी जगत में तेरा ना कोए
खा ठोकरें तू
अब काहे रोए

रात अंधेरी दूर सवेरा
रात अंधेरी दूर सवेरा
ना तेरा कोई ना कोई मेरा
क्यूँ देखे तू ख़्वाब सुनहले
मोह माया के जाल घनेरे
जाग जा अब तो अब काहे सोए
खा ठोकरें तू
अब काहे रोए

दूजों में तू कमियाँ छाँटे
दूजों में तू कमियाँ छाँटे
अपने गिरेबाँ कभी ना झाँके
मोह माया के जाल में फंस कर
जीवन ना तू व्यर्थ गँवा दे
वो काटेगा जो है बोए
खा ठोकरें तू
अब काहे रोए

इसमें वो हारा मिला

स्वारथों से भरा जग ये सारा मिला
जो भी खोया है, इसमें वो हारा मिला

भारी पलकें जब ग़म से छलकती रहीं
ये दुनिया मेरे ग़म पे हँसती रही
ना दिखा कोई जो मेरे साथ हो
रूप रिश्तों का, बदला सा सारा मिला
स्वारथों से भरा जग ये सारा मिला
जो भी खोया है, इसमें वो हारा मिला

ग़म के साये बड़े मुझको ज़ालिम मिले
ग़म के हर दौर में सब पराये लगे
जिनपे हमने लुटा डाली ये ज़िन्दगी
उनसे मुझको कभी ना सहारे मिले
स्वारथों से भरा जग ये सारा मिला
जो भी खोया है, इसमें वो हारा मिला

साथ देते नहीं जग के झूठे भरम
साथ तेरे इंसान के अच्छे करम
छोड़ सारे ये झूठे, ये झूठे भरम
उस प्रभु से लगा ले, तू दिल की लगन
साथ तेरे चलेगा, ये तेरा करम
सच्चा जग में प्रभु का सहारा तेरा
स्वारथों से भरा जग ये सारा मिला
जो भी खोया है, इसमें वो हारा मिला

गणपति भजन

शिव की आँखों का तारा

शिव की आँखों का है ये तारा
गोरा माँ का लाल है न्यारा
गणपति मेरा प्यारा प्यारा
गोरा माँ का राज दुलारा

विघ्नों को हरता, मंगल ये करता
खुशियों से घर को ये भरता
मूषक सवारी, रक्षा हमारी
हर हाल में ये है करता
मुझे हिम्मत मिली
मुझे ताकत मिली
मेरी हर इक मुसीबत को टाला
गणपति मेरा प्यारा प्यारा
गोरा माँ का लाल है न्यारा

मोदक का भोगी, मन का है मौजी
दिल प्यार का है समन्दर
पूजा तेरी पहले सदियों से होती
देखा है हमने ये मंज़र
खोटे हैं या खरे
हम है बालक तेरे
मैंने दर पे तेरे डेरा डाला
गणपति मेरा प्यारा प्यारा
गोरा माँ का लाल है न्यारा

रिद्धि सिद्धि का है ये तो स्वामी
ऋषियों की है ये तो वाणी
शिव से है तूने ये वरदान पाया
देवों ने भी महिमा जानी
मेरे सिर पर ज़रा
हाथ हो बस तेरा
तूने अरुण का जीवन सँवारा
गणपति मेरा प्यारा प्यारा
गोरा माँ का लाल है न्यारा

मेरे गणपति बाबा

चरणों में तेरे तेरा लाल
मेरे गणपति बाबा
आया मैं ग़म का मारा द्वार
मेरे गणपति बाबा
कर दे कर दे तू बेड़ा पार
मेरे गणपति बाबा
चरणों में तेरे तेरा लाल
मेरे गणपति बाबा

पूजा प्रथम तेरी
सुन ले अरज मेरी
विघ्नों को हर ले बाबा
अब तो मैं शरण तेरी
ओ गौरा के शिव के लाल
मेरे गणपति बाबा
चरणों में तेरे तेरा लाल
मेरे गणपति बाबा

गणपति मेरे बाबा
चरण ये तेरे
दर पे पड़े हैं बाबा
जब से मेरे
पावन हुआ है घर बार
मेरे गणपति बाबा

चरणों में तेरे तेरा लाल
मेरे गणपति बाबा

जिस पर मेहर तेरी
जीते ज़माना
जिस पर पड़ी ये तेरी निगाहें
भव सागर से हुआ पार
मेरे गणपति बाबा
चरणों में तेरे तेरा लाल
मेरे गणपति बाबा
आया मैं ग़म का मारा द्वार
मेरे गणपति बाबा

लाल गणेश है प्यारा

शिव शंकर माँ पार्वती का
लाल गणेश है प्यारा
जिस जिस ने तेरा नाम लिया
हुआ उसका बेड़ा पार
छँट गए सगरे ग़म के बादल
सुख की पड़ी वो फुहार
जीत गया सुख ग़म तो हारा
शिव शंकर माँ पार्वती का
लाल गणेश है प्यारा

सच्चे मन से जो भी पुकारा
हो गया वो भव सागर पारा
पूजा प्रथम गणपति अधिकारी
जग जाने सब दुनिया सारी
गणपति महिमा, महिमा अति भारी
रूप निराला मूषक सवारी
विघ्न हर इक जिससे डर भागा
शिव शंकर माँ पार्वती का
लाल गणेश है प्यारा

सबसे पहले तुझे मनाऊँ
चरण में तेरे पुष्प चढ़ाऊँ
चरण तेरे की धूली लेकर
फिर आगे मैं कदम बढ़ाऊँ

सबसे पहले तुझको ध्याता
गणपति मेरे भाग्य विधाता
शिव शंकर माँ पार्वती का
लाल गणेश है प्यारा

विघ्न विनाशक स्वामी दाता
विघ्न हर इक तुझसे डर भागा
रहमत जिस पर तेरी बरसे
जीवन में उसके उजियारा
शिव शंकर माँ पार्वती का
लाल गणेश है प्यारा

हे शिव नंदन करूँ तेरा वंदन

हे शिव नंदन करूँ तेरा वंदन
चरण में तेरे सब कुछ अर्पण
हे शिव नंदन करूँ तेरा वंदन

पूजा प्रथम तेरी करूँ बलिहारी
देवों में तेरी महिमा भारी
बिन तेरे ना पूजन कोई
ना कोई शुभ कारज होवे
नाम तेरा लें शुभ-शुभ होवे
ध्यान तेरे मगन मेरा तन मन
हे शिव नंदन करूँ तेरा वंदन

रिद्धि-सिद्धि के तुम हो दाता
विघ्न हर इक तुझ से घबराता
सगरे काम सँवरते जग के
शुभ दाता तू मंगल दाता
जिस घर होता तेरा वंदन
खुशियों से घर महका जाता
दूर हर इक ग़म, हे शिव नंदन
हे शिव नंदन करूँ तेरा वंदन

रूप निराला देव निराला
एक दंत मेरा गणपति प्यारा
जिस पर तेरी कृपा बरसे

सुख संपत्ति वो पाए अपारा
चरण तेरे तेरा अरुण पड़ा है
दरस को तेरे तरस रहा है
नूर भरो अंधियारे जीवन
हे शिव नंदन करूँ तेरा वंदन
चरण में तेरे सब कुछ अर्पण
हे शिव नंदन करूँ तेरा वंदन

शिव भजन

मैं दास तुम्हारा हूँ

शिव शंकर भोले मेरे
मैं दास तुम्हारा हूँ
कदमों में पड़ा तेरे
मैं वक़्त का मारा हूँ
शिव शंकर भोले मेरे
मैं दास तुम्हारा हूँ

कभी दर पे मेरे दाता
खुशियों का मेला था
अपना ही नहीं अपना
हर ग़ैर भी मेरा था
ठोकर से ज़माने की
इक टूटा तारा हूँ
कदमों में पड़ा तेरे
मैं वक़्त का मारा हूँ
शिव शंकर भोले मेरे
मैं दास तुम्हारा हूँ

दुनिया का तेरी दाता
दस्तूर निराला है
गिरते को कहाँ दाता
कब इसने संभाला है
उजड़े तेरे गुलशन का
इक फूल तुम्हारा हूँ

कदमों में पड़ा तेरे
मैं वक़्त का मारा हूँ
शिव शंकर भोले मेरे
मैं दास तुम्हारा हूँ

मायूस मेरे दिल ने
लिया तेरा सहारा है
जो तू ही नहीं अपना
फिर कौन हमारा है
अश्कों से भरे नैना
और दिल से पुकारा हूँ
कदमों में पड़ा तेरे
मैं वक़्त का मारा हूँ
शिव शंकर भोले मेरे
मैं दास तुम्हारा हूँ

शिव मैं आया तेरे द्वार

शिव मैं आया तेरे द्वार
नईया बीच मेरी मझधार
कर दे कर दे मेरे भोले
कर दे इसको पार

भोला शक्ति का भंडार
जिसका ना पाया कोई पार
तुझसे रहमत की दरकार
भोले मेरे बाबा, तेरा लाल रहा है पुकार
शिव मैं आया तेरे द्वार

जीवन मोह-माया का जाल
उतरा कोई भी ना पार
धोखा झूठा ये संसार
सच्चा बाबा तेरा प्यार
शिव मैं आया तेरे द्वार

तेरी करुणा से संसार
बरसे सब पर तेरा प्यार
तुझसे रहमत की दरकार
मीठी प्रेम की तेरे फुहार
बरसे सब पे तेरा प्यार
भर दे बाबा मेरे बाबा

मेरे खुशियों के भंडार
शिव मैं आया तेरे द्वार
नईया बीच मेरी मझधार

बबम बबम बम बम लहरी

दर तेरे भोले आया
अँखियन में आँसू लाया
कुछ दिल की सुन ले मेरी
बबम बबम बम बम लहरी
बबम बबम बम बम लहरी
कुछ दिल की सुन ले मेरी

दिल मेरा तेरा मतवाला
सुन मेरे भोले दीनदयाला
बहती सिर गंगा तेरे
गल तेरे सर्पन माला
दास खड़ा तेरे बाबा दर पे
काहे लगाते हो देरी
बबम बबम बम बम लहरी
बबम बबम बम बम लहरी

तीनों लोकों का तू रखवाला
पूजें देव पूजे जग सारा
द्वार तेरे शिव जो भी आया
बिन मांगे सब कुछ है पाया
बाबा मैं भी बीच भँवर में
आकर बाँह पकड़ मेरी
काहे लगाते हो देरी
बबम बबम बम बम लहरी
बबम बबम बम बम लहरी

मोह-माया का जग ये सागर
डूब रहा हर इक भरमा कर
स्वारथ में डूबा है हर पल
भूल गया तुझे जग में आकर
बाबा भूल हुई गहरी
काहे लगाते हो देरी
बबम बबम बम बम लहरी
बबम बबम बम बम लहरी

पल पल मेरी ज़ुबाँ पर

पल पल मेरी ज़ुबाँ पर
रहता है जिनका नाम
भोला है मेरा शंकर
कैलाश जिनका धाम
ओम नमः शिवाए
ओम नमः शिवाए

चरणों में तेरे जन्नत
और है चारों धाम
जिसने जगत की खातिर
विष का किया था पान
दीवानगी में तेरी
भूला जगत तमाम
भोला है मेरा शंकर
कैलाश जिनका धाम
ओम नमः शिवाए
ओम नमः शिवाए

तूने शीश पे गंगा धारी
झुकती है दुनिया सारी
मस्तक पे चन्द्र सोहे
गले सर्पों की माला डाली
नैनों में तेरे करुणा
तेरी गज़ब है शान

भोला है मेरा शंकर
कैलाश जिनका धाम
ओम नमः शिवाए
ओम नमः शिवाए

पैरों में बजते घुंघरू
डमरू है बजता डम-डम
तेरे भजन सुनाती
तेरे अरुण की धड़कन
मनचाहा वर तू देता
बिगड़े बनाता काम
भोला है मेरा शंकर
कैलाश जिनका धाम
ओम नमः शिवाए
ओम नमः शिवाए

मेरा डमरू वाला शिव शंकर

मेरा डमरू वाला शिव शंकर
मेरा सबसे निराला शिव शंकर
मेरा भोला प्यारा शिव शंकर
मेरा डमरू वाला शिव शंकर

मेरे दिल में जिसका वास रहा
धड़कन में बसा, मेरे दिल में बसा
मेरे दिल में पल पल नाच रहा
मेरा डमरू वाला शिव शंकर
मेरा सबसे निराला शिव शंकर

भोले की लहर जब आती है
दुनिया रौशन हो जाती है
दिल झूम झूम के गाता है
भोले की शरण हो जाता है
मेरे दिल का नशा मेरा शिव शंकर
मेरा भोला प्यारा शिव शंकर
मेरा डमरू वाला शिव शंकर

मुझे ग़म से भरी फिज़ाओं में
जीवन की अन्धेरी राहों में
वही आकर धीर बंधाता है
पल भर में बदलता है मंज़र
खुशियाँ इतनी बरसाता है

मेरा भोला प्यारा शिव शंकर
मेरा डमरू वाला शिव शंकर
मेरा सबसे निराला शिव शंकर

माता के भजन

मुझे याद तुम्ही माँ कर लेना

भूले से जो भूलूँ दर तेरा
मुझे याद तुम्ही माँ कर लेना
भटकूँ जो कभी मैं दर-दर माँ
चरणों में अपने रख लेना
भूले से जो भूलूँ दर तेरा

माना मैं मूरख कामी हूँ
राहों से भटका प्राणी हूँ
माँ याचक मैं तेरी करुणा का
माना मैं लोभी कामी हूँ
जब बढ़ने लगे मन की पीड़ा
अमृत ममता का पिला देना
भूले से जो भूलूँ दर तेरा
मुझे याद तुम्ही माँ कर लेना

ग़म से महका जीवन मेरा
पतझड़ ने जिसे सँवारा माँ
ना फूल खिले जिस गुलशन में
गुल वो किस्मत का मारा माँ
खुशियाँ रुठी सब माँ मुझसे
बस तेरा एक सहारा माँ
हूँ कपूत तेरा मैं माँ दाती
रहमत की नज़र मुझ पर रखना
भूले से जो भूलूँ दर तेरा
मुझे याद तुम्ही माँ कर लेना

मेरी किस्मत में काँटें हैं
मुझे जो तकदीर ने बाँटे हैं
माँ फूल चुने सबने लेकिन
मैंने काँटे ही छाँटे हैं
जब ज़ख्म लगे दिल पर मेरे
माँ हाथ वहीं तुम रख देना
भूले से जो भूलूँ दर तेरा
मुझे याद तुम्ही माँ कर लेना

मईया तेरा बुलावा ना आया

मईया तेरा बुलावा ना आया
मईया तेरा बुलावा ना आया
नैना मेरे छलक रहे हैं
दिल को ऐसे ज़ख्म मिले हैं
जिनका पार ना पाया
मईया तेरा बुलावा ना आया

टूटे सपने रूठी दुनिया
मैं कैसे मुस्काऊँ
मईया मैं कैसे मुस्काऊँ
बीते दिनों को याद करूँ माँ
और मैं अश्क बहाऊँ
पीड़ा मेरी आँख से छलकी
तूने भी बिसराया
मईया तेरा बुलावा ना आया

पग-पग लगती दिल को ठोकर
क्या अपने बेगाने
जीवन मेरा बन गया आँसू
दर्द ना कोई जाने
दर पे तेरे सांझ-सवेरे
आस का दीप जलाया
मईया तेरा बुलावा ना आया

दुनिया ये तेरी बड़ी माँ संगदिल
दिल की लगी क्या जाने
हँसती ये माँ अरुण पे तेरे
दिल को लगी तड़पाने
ग़म के थपेड़े कर गए पागल
अरुण तेरा मुरझाया
मईया तेरा बुलावा ना आया

सहारा जो मिला होता

मुझे दाती के चरणों का
सहारा जो मिला होता
ना रोता दिल मेरी दाती
तेरा जो हाथ सर होता
मुझे दाती के चरणों का
सहारा जो मिला होता

तू क्यूँ रूठी है माँ मुझसे
क्या झूठी है मेरी भक्ति
मेरी किस्मत में ठोकर है
या माँ, ये है तेरी मर्ज़ी
जो मिलता प्यार माँ तेरा
दिले गुलशन खिला होता
ना रोता दिल मेरी दाती
तेरा जो हाथ सर होता

अगर दाती माँ मिल जाती
माँ दुःख अपने मैं रो लेता
चरण तेरे मेरी दाती
मैं अश्कों से भिगो देता
मुझे ऐ काश तेरा प्यार
सारा मिल गया होता
ना रोता दिल मेरी दाती
तेरा जो हाथ सर होता

मिले हैं फूल माँ जिसको
ये सब तेरे नज़ारे हैं
तेरी रहमत से जो चमके
वो लोग किस्मत वाले हैं
मुझे भूली जो ना होती
अरुण ना दर-ब-दर होता
ना रोता दिल मेरी दाती
तेरा जो हाथ सर होता
मुझे दाती के चरणों का
सहारा जो मिला होता

आ जाओ अब तो

माँ मेरी आ जाओ अब तो
कर के सिंह सवारी माँ
दर पे खड़ी माँ इक दुखियारी
मन में पीड़ा भारी माँ
माँ मेरी आ जाओ अब तो
कर के सिंह सवारी माँ

ऐसी ग़म की अगन लगी माँ
जीवन से मैं हारी माँ
ग़म से भरा दिल रो रो मईया
बरबस तुम्हे पुकारे माँ
माँ मेरी आ जाओ अब तो
कर के सिंह सवारी माँ

दुनिया मेरी दुश्मन हो गयी
मुँह अपनों ने फेर लिया
ऐसी चली माँ ग़म की आंधी
जिसने सब कुछ लूट लिया
फूल मैं ऐसी ना खिल पायी
पतझड़ आए भारी माँ
मैं दुखियारी दर तेरे आयी
दिल से तुझे पुकारी माँ
माँ मेरी आ जाओ अब तो
कर के सिंह सवारी माँ

आई बहारें फूल खिले ना
दूर तलक हैं अँधियारे
मौत से मरती दुनिया लेकिन
हम जीवन के मारे माँ
छलकी पीड़ा बनके आँसू
आँसू तुझे पुकारें माँ
लाज रखो माँ अरुण की अपने
अरुण तो तेरे सहारे माँ
माँ मेरी आ जाओ अब तो
कर के सिंह सवारी माँ

माँ खुशियों की बहार दो

ग़म से भरी ज़िन्दगी
माँ खुशियों की बहार दो
दास बना चरणों का
ज़िन्दगी निखार दो
माँ ज़िन्दगी निखार दो

अपना कोई आज यहाँ
आज कहाँ होता माँ
स्वारथ के हैं रिश्ते
स्वारथ ही होता माँ
रिश्तों को स्वारथ के
प्यार की बहार दो
दास बना चरणों का
ज़िन्दगी निखार दो

ग़म के समन्दर में
खुशियों की कश्ती
माँ खुशियों की कश्ती
टूट के बिखरने को
है मेरी हस्ती
माँ मेरी हस्ती
नईया है मझधार
सुन मेरी पुकार को
ग़म से भरी ज़िन्दगी
माँ खुशियों की बहार दो

ग़म के साये मात मेरी
मुझको घेरे जाते
माँ मुझको घेरे जाते
तड़पा लाल इतना तेरा
नैन छलक जाते
माँ नैन छलक जाते
दास बना चरणों का
अरुण को भी प्यार दो
ग़म से भरी ज़िन्दगी
माँ खुशियों की बहार दो

अर्ज़ बेटी तेरी माँ करे

अर्ज़ बेटी तेरी माँ करे
अपनी पलकों में अश्क भरे
तेरे दर माँ खड़ी
झोली खाली मेरी
मेरी ममता बिलखती रहे

ठोकरें मुझको मारे जहाँ
बाँझ कह कर पुकारे ये माँ
क्यूँ लिखे मेरे खोटे करम
अब कर दे माँ मुझपे रहम
टूट जाए ना तेरा भरम
दिल के तूफान घायल करें
मेरी ममता बिलखती रहे
अर्ज़ बेटी तेरी माँ करे

कोख सूनी है क्यूँ माँ मेरी
भूल ऐसी क्या मुझसे हुई
लाल खेले मेरी गोद में
क्यूँ ना आई माँ ऐसी घड़ी
तेरे होते मेरी ज़िन्दगी
बन गयी आँसुओं की लड़ी
तेरे दर मैं खड़ी
झोली खाली मेरी
मेरी ममता बिलखती रहे
अर्ज़ बेटी तेरी माँ करे

माँ जो चाहे तो कर माँ रहम
तेरी करुणा के याचक हैं हम
फूल दिल का खिला
ग़म के बादल हटा
गोद में खेले लाल मेरा
दूर कर दे मेरे सारे ग़म
कर अरुण पे माँ रहमो करम
हों ख़ुशी के माँ बस सिलसिले
अर्ज़ बेटी तेरी माँ करे

पा ले तू माँ की रहमत

पा ले तू माँ की रहमत
कर माँ की बन्दगी
बरसे है माँ की रहमत
भक्तों पे हर घड़ी
पा ले तू माँ की रहमत
कर माँ की बन्दगी

दुनिया के ये झमेले
तुझको हैं रोकते
माया के ये भँवर
तुझको हैं घेरते
चरणों में माँ के जन्नत
देती माँ हर ख़ुशी
पा ले तू माँ की रहमत
कर माँ की बन्दगी

कश्ती का वो ही साहिल
दिल से पुकार ले
चरणों में सर को रख के
जो चाहे मांग ले
पतवार माँ के हाथों
माँ सबको तारती
पा ले तू माँ की रहमत
कर माँ की बन्दगी

भटकाव से भरा है
दुनिया का रास्ता
मतलब का ये जहाँ है
झूठा है वास्ता
दुनिया की ठोकरों में
क्यूँ खोता ज़िन्दगी
पा ले तू माँ की रहमत
कर माँ की बन्दगी

मईया तेरी नगरी में

मईया तेरी नगरी में
कहाँ मेरा ठिकाना है
तूने दिए आँसू माँ
और ग़म का फ़साना है
मईया तेरी नगरी में
कहाँ मेरा ठिकाना है

तू जो ग़म देती ना
मैं भी खुश हो लेता
खुशियों के नग़मों की
माँ माला पिरो लेता
साथी दिल टूटा माँ
और ग़म का तराना है
मईया तेरी नगरी में
कहाँ मेरा ठिकाना है

सबकी बिगड़ी सँवारी माँ
मैं ही किस्मत का मारा हूँ
तेरे होते मईया मेरी
बड़ा बेसहारा हूँ
नैना मेरे अश्कों भरे
और दुश्मन ज़माना है
मईया तेरी नगरी में
कहाँ मेरा ठिकाना है

जो तू सुध लेती माँ
लग चरणों से रो लेता
खुशियाँ देती मेरी मईया
चरण अश्कों से धो देता
रूठी मेरी किस्मत माँ
और अरुण दीवाना है
मईया तेरी नगरी में
कहाँ मेरा ठिकाना है

फूल खिलते हैं गुलशन में
जब आती बहारें हैं
दी बहारों ने हमको दगा
हम तो किस्मत के मारे हैं
दिल मेरा दर्द भरा
और ज़ालिम ज़माना है
मईया तेरी नगरी में
कहाँ मेरा ठिकाना है

आये नैनों में जल भर के

दाती माँ तेरे दर पे
आये नैनों में जल भर के
जो तू ना सुने मेरी
माँ जाऊँ मैं किस दर पे
दाती माँ तेरे दर पे
आये नैनों में जल भर के

खुशियों से दूर हूँ माँ
हर ओर उदासी है
माँ दूर करेगी ग़म
बस आस ये बाकी है
तड़पा हूँ बहुत मईया
धरो हाथ मेरे सर पे
दाती माँ तेरे दर पे
आये नैनों में जल भर के

माँ दर का सवाली हूँ
टूटी माँ डाली हूँ
उजड़े हुए गुलशन का
मायूस सा माली हूँ
तेरे होते मेरी मईया
तेरा लाल ये क्यूँ तड़पे
दाती माँ तेरे दर पे
आये नैनों में जल भर के

खामोश ग़मों का माँ
मैं एक नज़ारा हूँ
टूटी मेरी कश्ती है
माँ मैं मझधारा हूँ
आ जाओ मेरी मईया
पतवार मेरी बन के
दाती माँ तेरे दर पे
आये नैनों में जल भर के

कृष्णा भजन

कृष्णा दीवाना तेरा जहाँ है

कृष्णा दीवाना तेरा जहाँ है
मेरे दिल को तेरा बड़ा आसरा है
कृष्णा दीवाना तेरा जहाँ है

प्रीत संग तेरे राधा ने जोड़ी
बन बावरी मीरा, मीरा भी डोली
प्रेम की मूरत मेरा कृष्णा है
कृष्णा दीवाना तेरा जहाँ है

तेरी बंदगी में जीवन बिताया
नैनों के दर्पण में बस तेरी है छाया
देखूँ जिधर भी मैं तेरा दीवाना
दीदार तेरा मुझको हुआ है
कृष्णा दीवाना तेरा जहाँ है

अंधेरों ने मुझको घेरा हुआ था
बन रौशनी तूने सवेरा किया था
दुनिया के झूठे हर इक भरम को
कृष्णा ने मेरे दूर किया है
कृष्णा दीवाना तेरा जहाँ है

श्याम राधा के श्याम

श्याम राधा के श्याम
श्याम मेरे घनश्याम
आके सुना दे कृष्णा
मुरलिया की तान
श्याम राधा के श्याम
श्याम मेरे घनश्याम

कहाँ पे छुपा है मेरे रास रचैया
दिल मेरा चाहे तेरे चरणों की छैया
तेरे बिना सूना सूना मेरा जहान
श्याम राधा के श्याम
श्याम मेरे घनश्याम

तेरी छवि का मुझपे हुआ ये असर है
ना ही दुनिया की मुझको ना अपनी खबर है
होठों पे मेरे तेरा पल पल है नाम
श्याम राधा के श्याम
श्याम मेरे घनश्याम

कैसी पिलाई तूने नैनों से हाला
दिल मेरा होके झूमे तेरा मतवाला
कैसा पिलाया तूने भक्ति का जाम
श्याम राधा के श्याम
श्याम मेरे घनश्याम

साईं भजन

पापी हूँ बहुत साईं नाथ मेरे

पापी हूँ बहुत साईं नाथ मेरे
शिरडी में बुला ले तू
तड़पा हूँ बहुत दीदार को मैं
चरणों से लगा ले तू
पापी हूँ बहुत साईं नाथ मेरे

मेरे साईं तेरे बन्दों को
तेरी पल पल ज़रूरत होगी
साईं ग़म से भरे हर दिल को
राहत की ज़रूरत होगी
गले हमको लगा
दे दे दर्दे दवा
चरणों में बिठा ले तू
पापी हूँ बहुत साईं नाथ मेरे
शिरडी में बुला ले तू

राहों में घने अंधियारे
साईं दीप तू ही राहों का
ठोकर पे लगे जब ठोकर
दे सहारा मुझे बाहों का
जो हो तेरी मेहर
हो ख़ुशी की सहर
हर अन्धेरा मिटा दे तू
पापी हूँ बहुत साईं नाथ मेरे
शिरडी में बुला ले तू

मेरा साईं पावन गंगा सा
साईं चरणों में चाहूँ बसेरा
साईं सिर पे मेरे हाथ रख
पाप हर एक कट जाए मेरा
फूल दिल का खिला
शिरडी में बुला
चरणों में बिठा ले तू
पापी हूँ बहुत साईं नाथ मेरे
शिरडी में बुला ले तू

बदलेगी ज़िन्दगी ये

बदलेगी ज़िन्दगी ये
साईं शरण में जाके
बरसे तमाम खुशियाँ
साईं जो मुस्कुरा दे
बदलेगी ज़िन्दगी ये
साईं शरण में जाके

मेरा साईं सबका दाता
देता ये नेमतें है
तेरी ज़िन्दगी सँवारे
इसपे वो नेमतें हैं
कर ले जो बंदगी तू
साईं के दर पे जा के
बदलेगी ज़िन्दगी ये
साईं शरण में जाके

साये हैं ग़म के घेरे
हैं दूर तक अन्धेरे
मेरी ज़िन्दगी के मालिक
मुझ को शरण में ले ले
चरणों में मैं पड़ा हूँ
दिल में मुझे जगह दे
बदलेगी ज़िन्दगी ये
साईं शरण में जाके

दुनिया ये तेरी दुनिया
मतलब के जोड़े नाते
कभी दिल को दे ये आँसू
कभी खुशियों के गुल खिला दे
मेरा दिल का चैन साईं
कैसे ये दिल भुला दे
बदलेगी ज़िन्दगी ये
साईं शरण में जाके

तेरे दर पे आके साईं
दिल ने मेरे ये जाना
तेरा मेरा हर जन्म का
नाता बड़ा पुराना
चाहे तू याद कर ले
चाहे अरुण को भुला दे
बदलेगी ज़िन्दगी ये
साईं शरण में जाके

तेरे जलवे हैं निराले

तेरे जलवे हैं निराले
साईं मैं तो खो गया
साईं मेरा साईं बाबा
साईं है सबसे जुदा
तेरे जलवे हैं निराले
साईं मैं तो खो गया

रहमतों का ये मसीहा
ग़म के मारों का खुदा
रहमतें बरसी हैं जिनपे
दिल हर इक ये कह उठा
तेरे जलवे हैं निराले
साईं मैं तो खो गया

आया शिरडी जो भी आया
साईं तेरा हो गया
दुखड़े सब के दूर करता
साईं दर पर जो गया
साईं नज़रें जो पड़ी तो
घर ख़ुशी से भर गया
तेरे जलवे हैं निराले
साईं मैं तो खो गया

नेमतों का है समन्दर
दुखते दिल की ये दवा
पूरी करता हर तमन्ना
ग़म में खुशियों की घटा
रहमते श्रावण जो बरसा
खुशियों की छाई घटा
रहमते साईं को पाकर
अरुण दीवाना हो गया
तेरे जलवे हैं निराले
साईं मैं तो खो गया

अब तो दरस दिखाओ

साईं तेरे दर आ बैठे हैं
अब तो दरस दिखाओ
दर्शन की प्यासी तरसे हैं अँखियाँ
इनकी प्यास बुझाओ
अब तो दरस दिखाओ

सिर पर मेरे हाथ हो तेरा
प्यार तुम्ही से लेना
दुखड़ा अपना तुमको सुनाऊँ
तब आये मुझे चैना
मेरी सूनी अँखियाँ बरस रही हैं
इनको ना यूँ तरसाओ
अब तो दरस दिखाओ

दिख जाये तो सूरत प्यारी
मन ये मेरा खिल जाये
पतझड़ से सूने जीवन में
जश्ने बहारा आये
अंधियारे मेरे मन मंदिर में
ज्ञान का दीप जलाओ
अब तो दरस दिखाओ

साईं चरण में मेरे तीरथ
पार इन्ही से पाऊँ
ठुकराया जो अरुण को तूने
दर पे तेरे मर जाऊँ
बन के दीवाना भटक रहा हूँ
साईं आकर धीर बंधाओ
अब तो दरस दिखाओ
साईं तेरे दर आ बैठे हैं
अब तो दरस दिखाओ

खुशियों की डगर होगी

नूरे जहाँ मेरा साईं, हर दिल में बस गया
दर पे जो भी आया, मुकद्दर सँवर गया

खुशियों की डगर होगी
रहमत की नज़र होगी
साईं दर पे चले आओ
रातों की सहर होगी
खुशियों की डगर होगी
रहमत की नज़र होगी

साईं ये मेरा साईं
ये जो शिरडी वाला है
रहमत का मसीहा ये
डूबों का सहारा है
तू पुकार ज़रा दिल से
साईं को खबर होगी
खुशियों की डगर होगी
रहमत की नज़र होगी

दुनिया बेगानी है
झूठी ये कहानी है
गहरा जीवन सागर
तेरी नाव पुरानी है
झूठा है हर इक बंधन

कब तुझको खबर होगी
खुशियों की डगर होगी
रहमत की नज़र होगी

माया के बंधन में
ऐ अरुण क्यूँ जकड़ा है
माया के भँवर गहरे
कोई पार ना उतरा है
तुझे पार लगाए जो
साईं वो लहर होगी
खुशियों की डगर होगी
रहमत की नज़र होगी

साईं देके चरण रज तुम

साईं देके चरण रज तुम
जीवन को सफल कर दो
बन जाऊँ दास तेरा
रहमत की नज़र कर दो
साईं देके चरण रज तुम
जीवन को सफल कर दो

मझधार मेरी नईया
बड़ी दूर किनारा है
माँझी बन आ जाओ
मेरे दिल ने पुकारा है
मंज़र हूँ उदासी का
खुशियों की मेहर कर दो
साईं देके चरण रज तुम
जीवन को सफल कर दो

साईं माँगू नहीं तुझसे
दुनिया का वैभव धन
वीरान मेरी दुनिया
बिन तेरे सूना मन
मन मन्दिर साईं मेरे
आकर आन बसो
साईं देके चरण रज तुम
जीवन को सफल कर दो

दीदार तेरा साईं
हर दिल का उजाला है
टूटे हर तन मन को
साईं तूने संभाला है
ग़मे रात अंधेरी है
खुशियों की सहर कर दो
साईं देके चरण रज तुम
जीवन को सफल कर दो

साये ग़म के बड़े गहरे
नैना भीग गये मेरे
दर तेरे पड़े बाबा
मेरे नैना तरस रहे
मेरे नैना तरस रहे
दीदार को बस तेरे
भटका मैं बहुत साईं
रहमत की नज़र कर दो
साईं देके चरण रज तुम
जीवन को सफल कर दो

भजन मन गा रे

भजन मन गा रे
तू शिरडी साईं के हरदम
वही तेरे दूर करेगा ग़म
भजन मन गा रे

तूने बनाई सारी दुनिया
सब तेरा ही नूर
कोई बनाई मुझ सी अभागन
कोई महलों की हूर
मुफलिसी में मैं पली
भटकूँ दर-दर और गली
साईं कुछ तो हो
मुझ पे रहम
भजन मन गा रे
तू शिरडी साईं के हरदम

भेष में इंसानों के
मिलते हैं शैतान
अबला नारी जान के मुझको
करते हैं अपमान
खुशियाँ ग़म में जल गई
छुरियाँ दिल पे चल गई
दूर कैसे हो दिल की चुभन
भजन मन गा रे

तू शिरडी साईं के हरदम

आँसू की मैं ज़िंदा मूरत
ऐसी मेरी तकदीर
बेगानी साईं सारी दुनिया
तू तो समझ ले पीर
पहुँची जिस दर और गली
मैं तो हर इक ने छली
टूटा अपनों का हर इक भरम
भजन मन गा रे
तू शिरडी साईं के हरदम

बन गयी अब तो भरी बहारें
पतझड़ का सन्देश
जीवन मेरा बन गया साईं
क्यूँ काँटों की सेज
टूटे मुझ पर हर सितम
जीना हो गया मरण
भजन मन गा रे
तू शिरडी साईं के हरदम

राम भजन

ले ले सहारा राम का

ले ले सहारा राम का
कट जाए ज़िन्दगी
दुनिया तो मतलबी है
ये दिल को तोड़ती
ले ले सहारा राम का
कट जाए ज़िन्दगी

छलती रही है सबको
माया की चांदनी
झूठी है रौशनी ये
सोचा है ये कभी
ले ले सहारा राम का
कट जाए ज़िन्दगी

ढलती तेरी उमर है
नाजुक हर एक पल है
साँसों की डोर जाने
कब तक है चल रही
ले ले सहारा राम का
कट जाए ज़िन्दगी

पल पल है तेरा तुझको
अनमोल जान ले
सोया रहा तू अब तक

अब तो तू जाग रे
ले ले सहारा राम का
कट जाए ज़िन्दगी